UGC NET Paper= 2.. Sanskrit

Filler Form

YouTube

JRF का जलवा

संस्कृत साहित्य का विशिष्ट अध्ययन

UNIT=8

Daily = 6 pm

Class = 81

By=NIDHU CHAUDHARY

B.A., M.A., P.G.D.C.A., now Ph.d purshuing

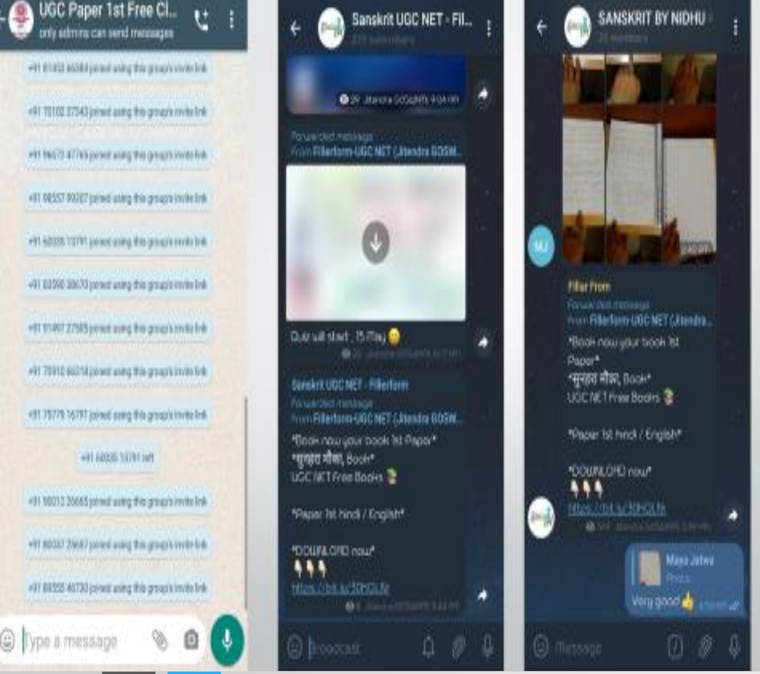
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
Sanskrit UGC NET - Fil...
SANSKRIT BY NIDHU
Type a message

UGC NET 100%
Off Free Class
Free Notes
Live Class
100% off
5000+MCQ+PYQ
Free Books
fillerform
Filler Form
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
Quizzes
Notes
Sample Papers

NET Free Class
09:00 AM- GK Class
11:00 AM- Paper 1st
12:00 PM - Hindi 2nd
01:00 PM- History 2nd
02:00 PM- Paper 1st MCQ
03:00 PM- Commerce 2nd
06:00 PM- Sanskrit 2nd
07:00 PM - Short video(notes)
08:00 PM- Job/PhD update
09:00 PM- Paper 1st DI
Fillerform

m

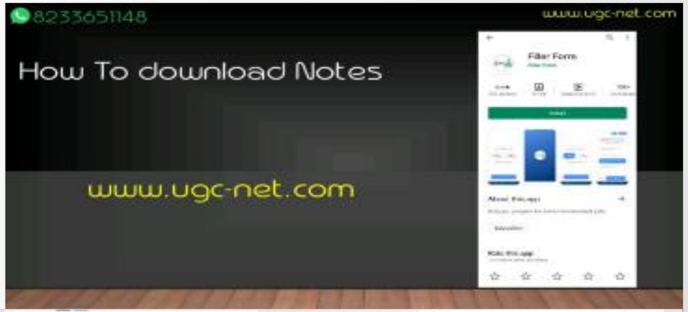
8233651148
www.ugc-net.com
How To download Notes
www.ugc-net.com

www.ugc-net.com
We want JRF
JRF का जलवा
We want JRF

UGC NET Giveaway
Win Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

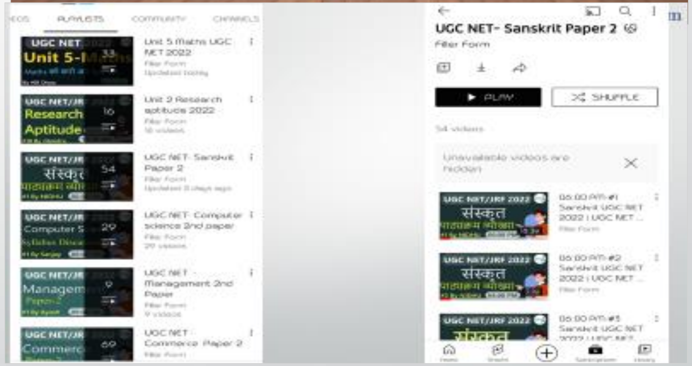
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE

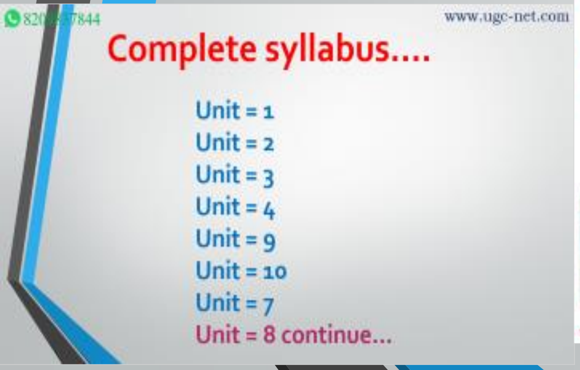
www.ugc-net.com
Complete syllabus....
Unit = 1
Unit = 2
Unit = 3
Unit = 4
Unit = 9
Unit = 10
Unit = 7
Unit = 8 continue...

UGC NET Giveaway
MAY
8
Top 10th Student
Free Books
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
Free Books
MAY
1
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

UGC NET Giveaway
GIVEAWAY
www.ugc-net.com
Fillerform
8209837844

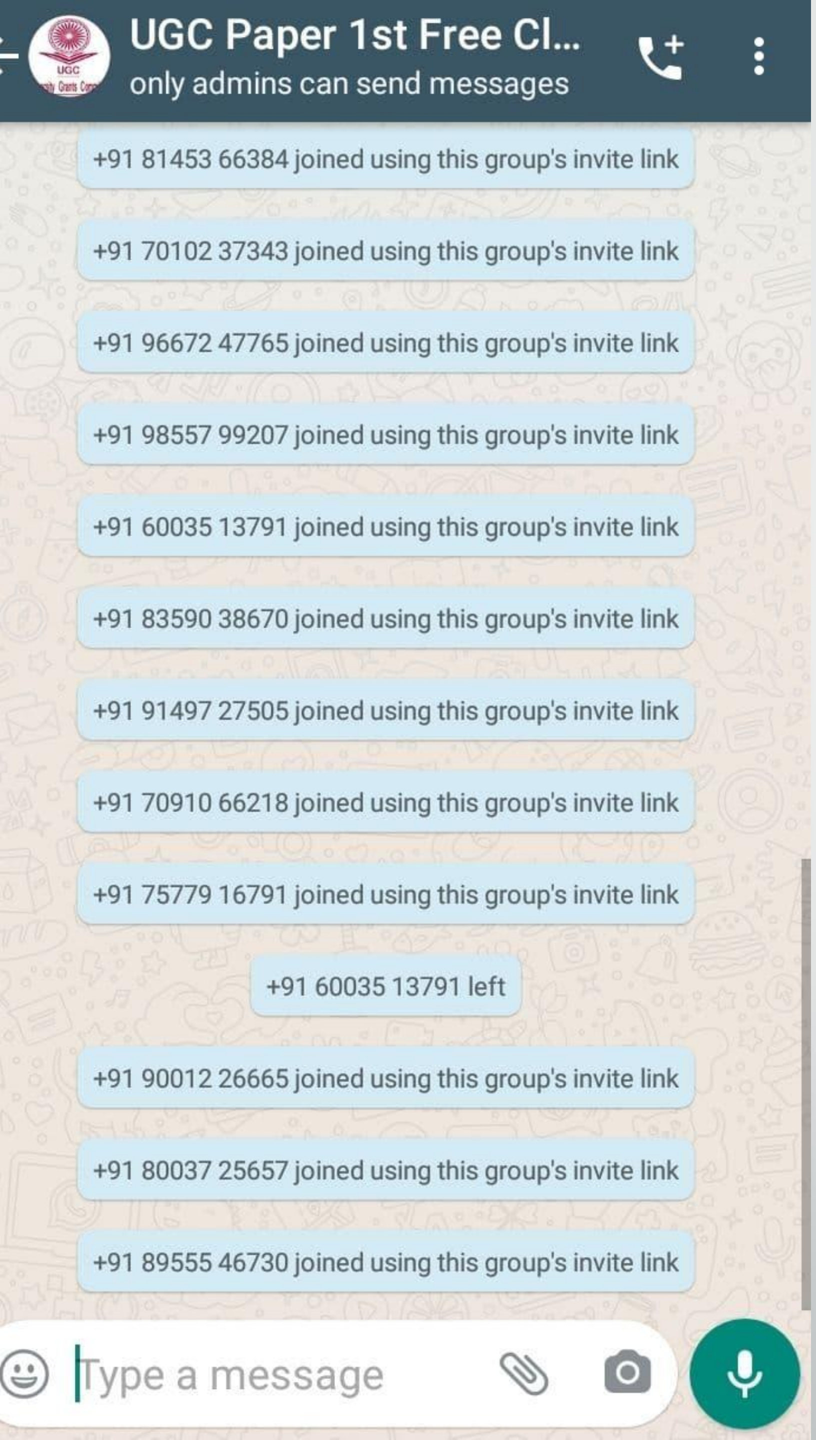
UGC Paper 1st Free Cl...
only admins can send messages
+91 81453 66384 joined using this group's invite link
+91 70102 37343 joined using this group's invite link
+91 96672 47765 joined using this group's invite link
+91 98557 99207 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 joined using this group's invite link
+91 83590 38670 joined using this group's invite link
+91 91497 27505 joined using this group's invite link
+91 70910 66218 joined using this group's invite link
+91 75779 16791 joined using this group's invite link
+91 60035 13791 left
+91 90012 26665 joined using this group's invite link
+91 80037 25657 joined using this group's invite link
+91 89555 46730 joined using this group's invite link
Type a message

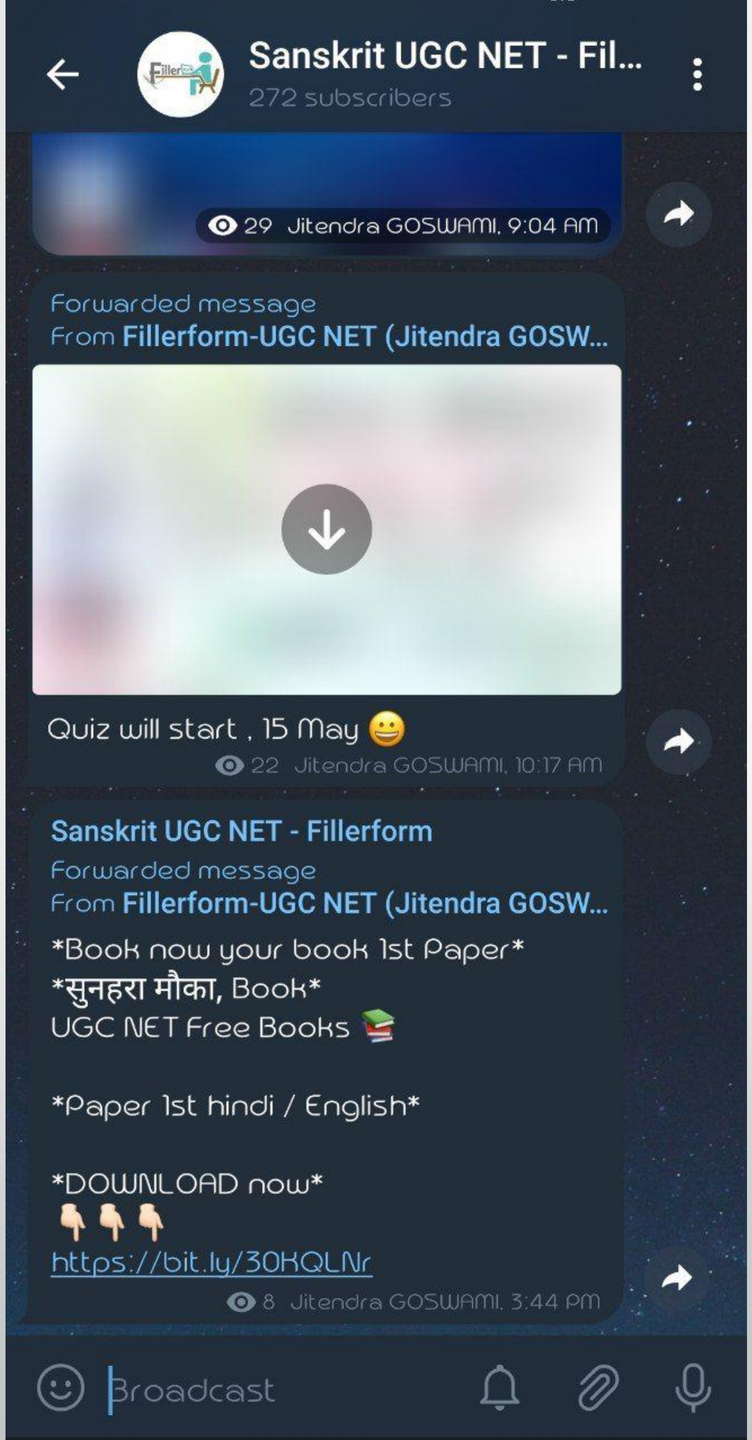
Sanskrit UGC NET - Fil...
272 subscribers
29 Jitendra GOSWAMI, 9:04 AM
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Quiz will start , 15 May 😀
22 Jitendra GOSWAMI, 10:17 AM
Sanskrit UGC NET - Fillerform
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra GOSW...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
8 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Broadcast

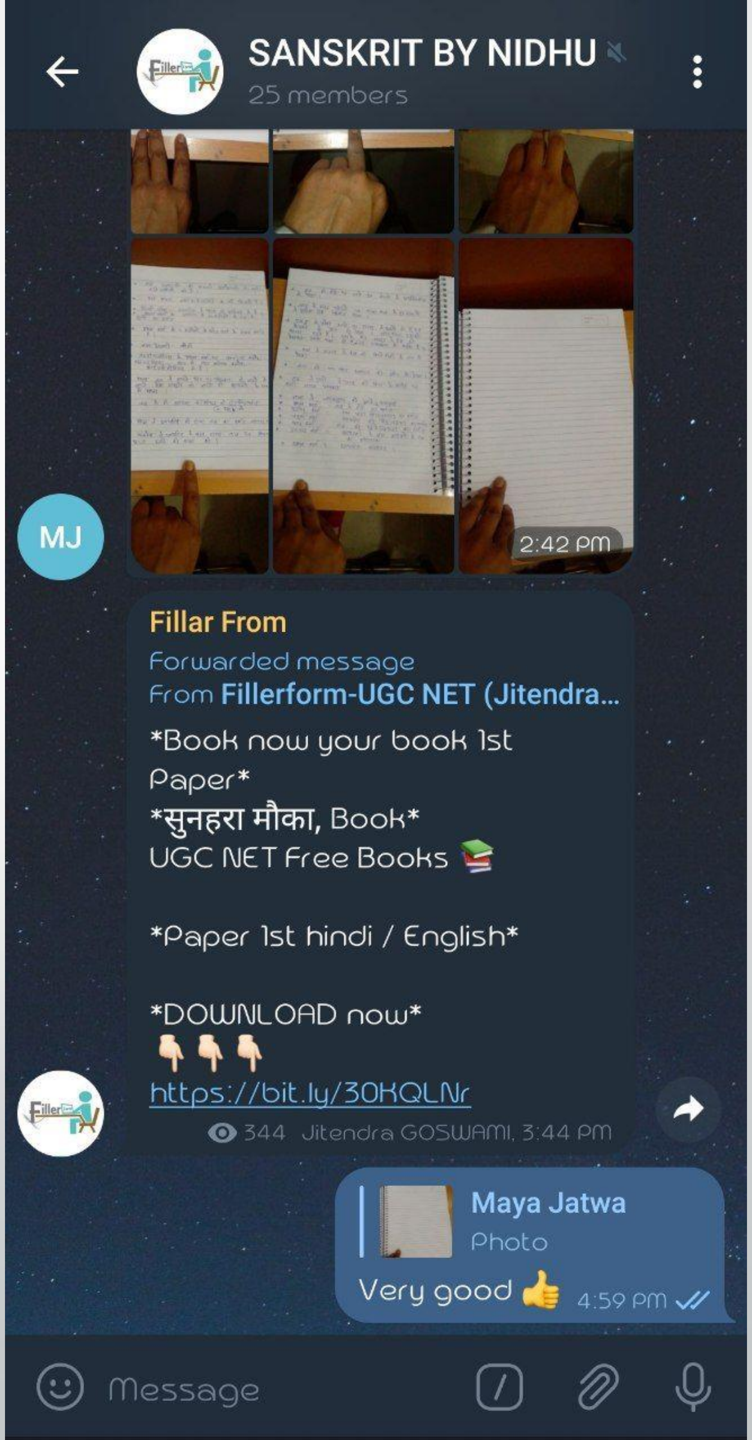
SANSKRIT BY NIDHU
25 members
MJ
2:42 PM
Fillar From
Forwarded message
From Fillerform-UGC NET (Jitendra...
Book now your book 1st Paper
सुनहरा मौका, Book
UGC NET Free Books 📚
Paper 1st hindi / English
DOWNLOAD now
👇👇👇
https://bit.ly/30KQLNr
344 Jitendra GOSWAMI, 3:44 PM
Maya Jatwa
Photo
Very good 👍 4:59 PM
Message

UGC NET 100%
Off Free Class
Filler Form
LATEST UPLOADS
UGC NET Paper 1st
Teaching Aptitude
"Level of Teaching"
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching
11:00 AM Level Of Teaching | Teaching Aptitude By Jitendra Goswami | NET
LEARNING MATERIAL
Quizzes
Notes
Sample Papers
Free Notes
Live Class
5000+MCQ+PYQ
Free Books
100% OFF
fillerform

8209837844

www.ugc-net.com

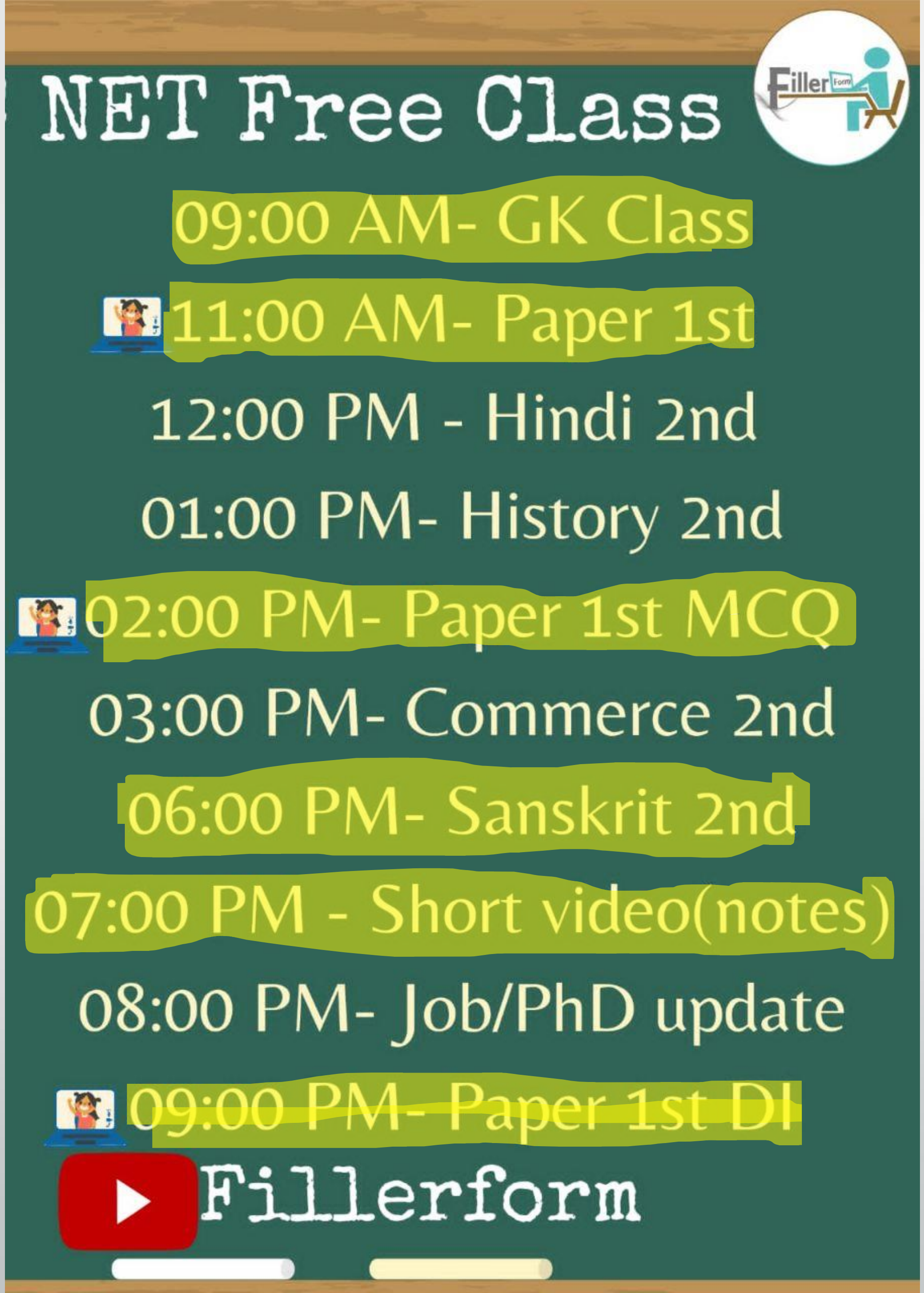

8233651148

www.ugc-net.com

How To download Notes

www.ugc-net.com

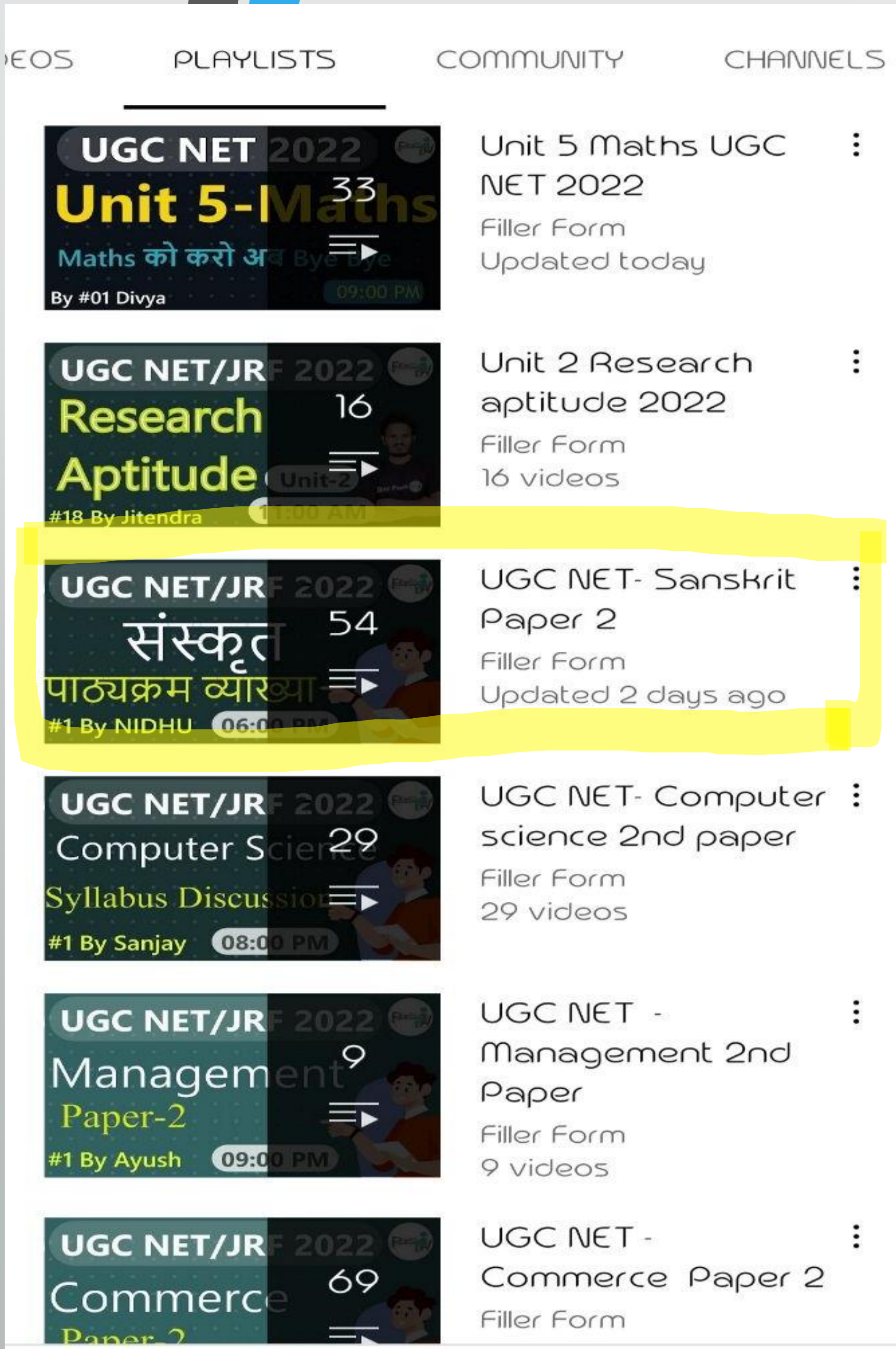
EOS
PLAYLISTS
COMMUNITY
CHANNELS
UGC NET 2022
Unit 5-Maths
Maths को करो अब Bye Bye
By #01 Divya
09:00 PM
33
Unit 5 Maths UGC NET 2022
Filler Form
Updated today
UGC NET/JRF 2022
Research Aptitude
Unit-2
#18 By Jitendra
11:00 AM
16
Unit 2 Research aptitude 2022
Filler Form
16 videos
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
54
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
Updated 2 days ago
UGC NET/JRF 2022
Computer Science
Syllabus Discussion
#1 By Sanjay
08:00 PM
29
UGC NET- Computer science 2nd paper
Filler Form
29 videos
UGC NET/JRF 2022
Management
Paper-2
#1 By Ayush
09:00 PM
9
UGC NET - Management 2nd Paper
Filler Form
9 videos
UGC NET/JRF 2022
Commerce
69
UGC NET - Commerce Paper 2
Filler Form

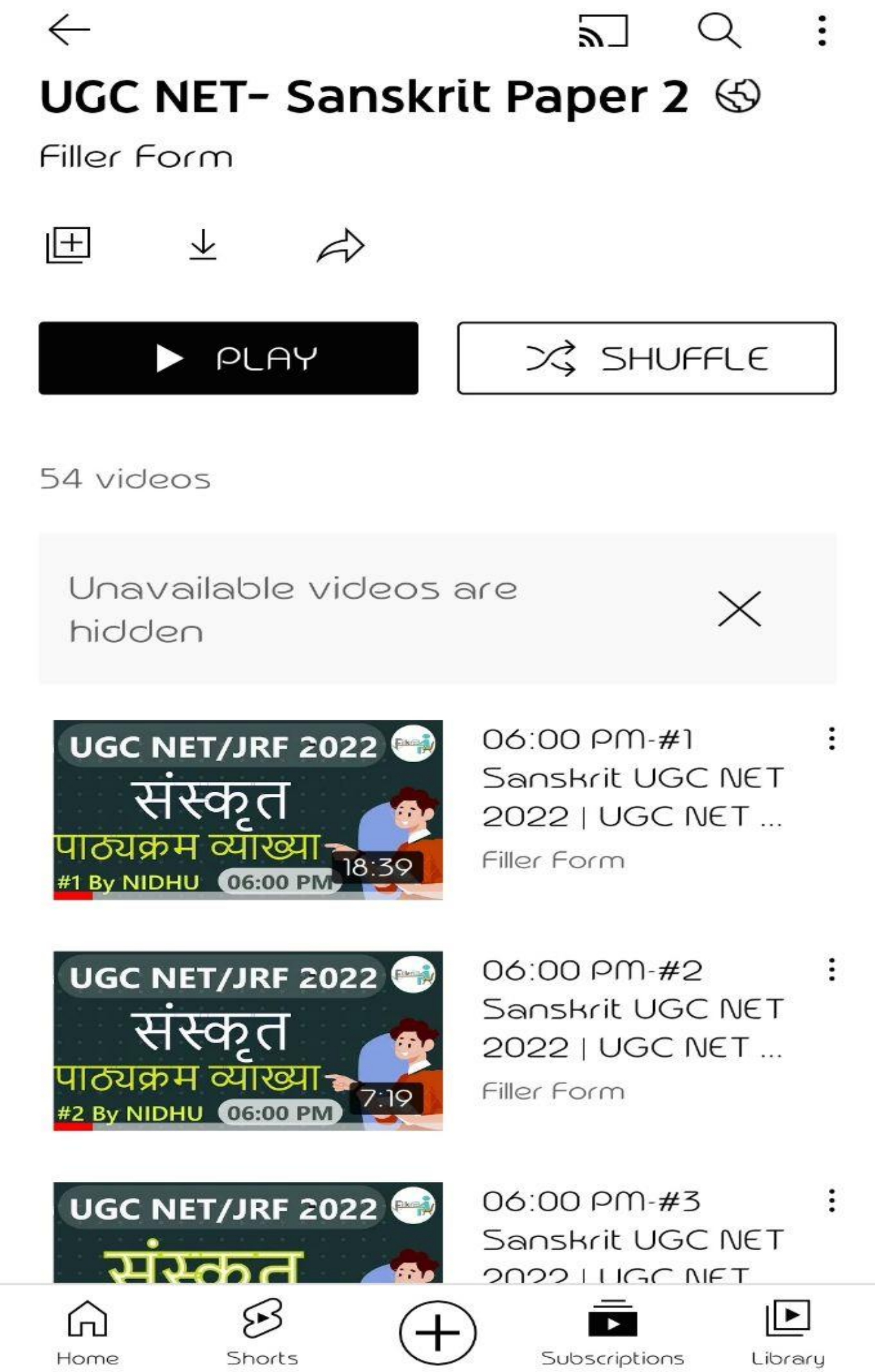
UGC NET- Sanskrit Paper 2
Filler Form
PLAY
SHUFFLE
54 videos
Unavailable videos are hidden
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#1 By NIDHU
06:00 PM
18:39
06:00 PM-#1 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
संस्कृत
पाठ्यक्रम व्याख्या
#2 By NIDHU
06:00 PM
7:19
06:00 PM-#2 Sanskrit UGC NET 2022 | UGC NET ...
Filler Form
UGC NET/JRF 2022
06:00 PM-#3 Sanskrit UGC NET
Home
Shorts
Subscriptions
Library

UGC NET Giveaway

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

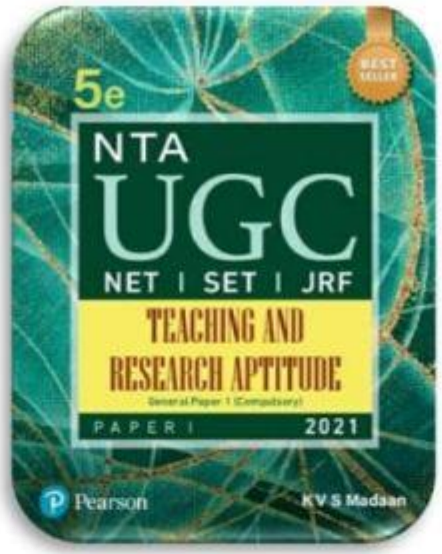

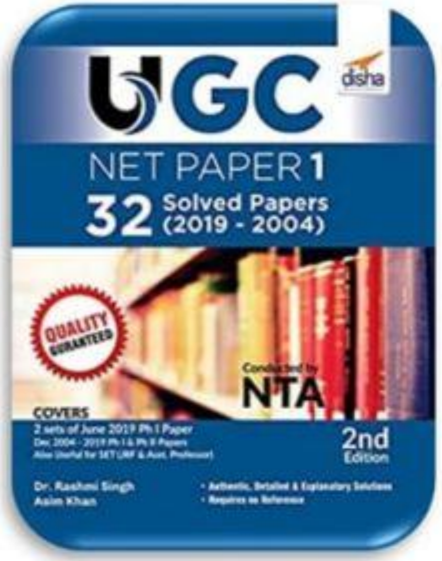

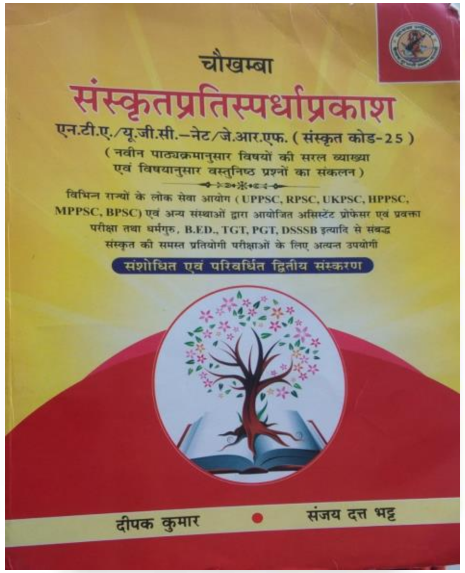

Win Books

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Free Books

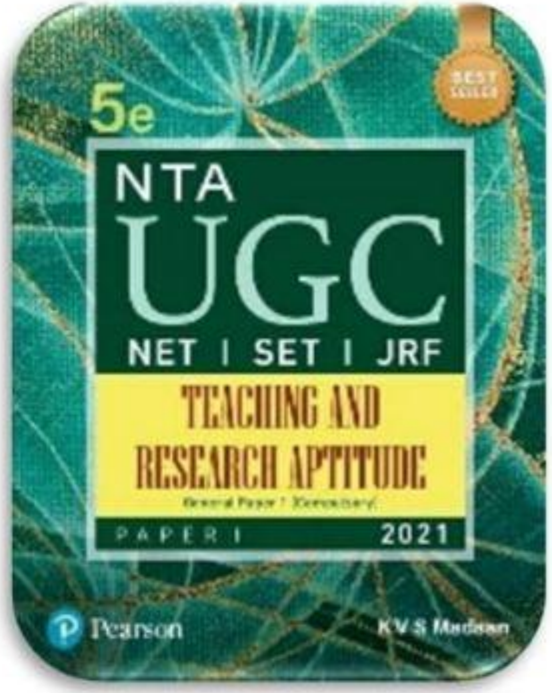

www.ugc-net.com Fillerform 8209837844

UGC NET Giveaway

Top 10th Student

Free Books

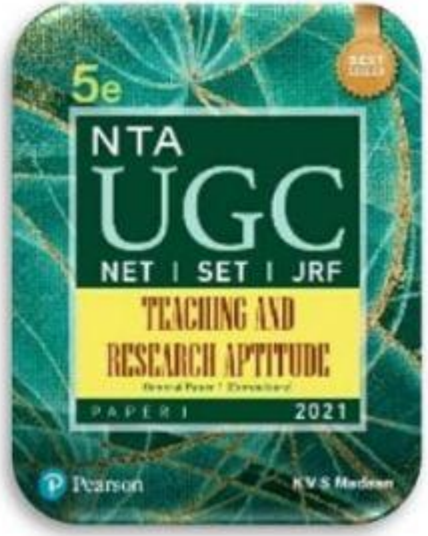

Quiz Start

UGC NET

Free Join

May

15

10,000 + Question

www.ugc-net.com

Fillerform

8209837844

8209837844

We want JRF

🎯 JRF का जलवा 🔥 🏆

We want JRF

8209837844

Complete syllabus….

Unit = 1

Unit = 2

Unit = 3

Unit = 4

Unit = 9

Unit = 10

Unit = 7

Unit = 8 continue…

Today's Topic….

लक्षणग्रन्थ-

॥साहित्यदर्पण॥

8209837844

www.ugc-net.com

॥साहित्यदर्पण॥

परिचय-

साहित्यदर्पण संस्कृत भाषा में लिखा गया साहित्य विषयक ग्रन्थ है जिसके रचयिता **पण्डित विश्वनाथ** हैं। विश्वनाथ का समय **14वीं शताब्दी** ठहराया जाता है। मम्मट के काव्यप्रकाश के समान ही साहित्यदर्पण भी साहित्यालोचना का एक प्रमुख ग्रन्थ है। काव्य के श्रव्य एवं दृश्य दोनों प्रभेदों के सम्बन्ध में इस ग्रन्थ में विचारों की विस्तृत अभिव्यक्ति हुई है। इसका विभाजन **10 परिच्छेदों** में है। **प्रथम परिच्छेद** में काव्य प्रयोजन, लक्षण आदि प्रस्तुत करते हुए ग्रंथकार ने मम्मट के काव्य लक्षण **"तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुनः क्वापि"** का खंडन किया है और अपने द्वारा प्रस्तुत लक्षण **वाक्यं रसात्मकं काव्यम्** को ही शुद्धतम काव्य लक्षण प्रतिपादित किया है। पूर्वमतखंडन एवं स्वमतस्थापन की यह पुरानी परंपरा है। **द्वितीय परिच्छेद** में वाच्य और पद का लक्षण कहने के बाद शब्द की शक्तियों - अभिधा, लक्षणा, तथा व्यंजना का विवेचन और वर्गीकरण किया गया है। **तृतीय परिच्छेद** में रस-निष्पत्ति का विवेचन है और रसनिरूपण के साथ-साथ इसी परिच्छेद में नायक-नायिका-भेद

820983 -net.com

पर भी विचार किया गया है। **चतुर्थ परिच्छेद** में काव्य के भेद ध्वनिकाव्य और गुणीभूत-व्यंग्यकाव्य आदि का विवेचन है। **पंचम परिच्छेद** में ध्वनि-सिद्धांत के विरोधी सभी मतों का तर्कपूर्ण खंडन और इसका समर्थन है। **छठें परिच्छेद** में नाट्यशास्त्र से संबन्धित विषयों का प्रतिपादन है। यह परिच्छेद सबसे बड़ा है और इसमें लगभग 300 कारिकाएँ हैं, जबकि सम्पूर्ण ग्रंथ की कारिका संख्या 760 है। **सप्तम परिच्छेद** में दोष निरूपण। **अष्टम परिच्छेद** में तीन गुणों का विवेचन। **नवम परिच्छेद** में वैदर्भी, गौड़ी, पांचाली आदि रीतियों पर विचार किया गया है। **दशम परिच्छेद** में अलंकारों का सोदाहरण निरूपण है जिनमें 12 शब्दालंकार, 70 अर्थालंकार और रसवत् आदि कुल 89 अलंकार परिगणित हैं।

8209837844 www.ugc-net.com

साहित्यदर्पण की विशेषताएँ

इसकी अपनी विशेषता है - **छठा परिच्छेद,** जिसमें **नाट्यशास्त्र** से संबद्ध सभी विषयों का क्रमबद्ध रूप से समावेश कर दिया गया है। साहित्य दर्पण का यह सबसे **विस्तृत परिच्छेद** है। काव्यप्रकाश तथा संस्कृत साहित्य के प्रमुख लक्षण ग्रंथों में नाट्य सम्बंधी अंश नहीं मिलते। साथ ही **नायक-नायिका-भेद** आदि के संबंध में भी उनमें विचार नहीं मिलते। साहित्य दर्पण के **तीसरे परिच्छेद** में रस निरुपण के साथ-साथ नायक-नायिका-भेद पर भी विचार किया गया है। यह भी इस ग्रंथ की

8209837844

.ugc-net.com

अपनी विशेषता है। पूर्ववर्ती आचार्यों के मतों को युक्तिपूर्ण खंडनादि होते हुए भी काव्य प्रकाश की तरह जटिलता इसमें नहीं मिलती।

दृश्य काव्य का विवेचन इसमें **नाट्यशास्त्र** और **धनिक** के **दशरूपक** के आधार पर है। रस, ध्वनि और गुणीभूत व्यंग्य का विवेचन अधिकांशत: **ध्वन्यालोक** और **काव्य प्रकाश** के आधार पर किया गया है तथा अलंकार प्रकरण विशेषत: **राजानक रुय्यक** के **"अलंकार सर्वस्व"** पर आधारित है। संभवत: इसीलिए इन आचार्यों का मतखंडन करते हुए भी ग्रंथकार उन्हें अपना उपजीव्य मानता है तथा उनके प्रति आदर व्यक्त करता है।

साहित्य दर्पण में काव्य का लक्षण भी अपने पूर्ववर्ती आचार्यों से स्वतंत्र रूप में किया गया मिलता है। साहित्य दर्पण से पूर्ववर्ती ग्रंथों में कथित काव्य लक्षण क्रमश: विस्तृत होते गए हैं और चंद्रालोक तक आते-आते उनका विस्तार अत्यधिक हो गया है, जो इस क्रम से द्रष्टव्य है-

820983

-net.com

अग्निपुराण- "संक्षेपात् वाक्यमिष्टार्थव्यवच्छिन्ना, पदावली काव्यम्" ।

दंडी- "शरीरं तावदिष्टार्थव्यवच्छिन्ना पदावली" ।

रुद्रट- "ननु शब्दार्थौ कायम्" ।

वामन- "काव्य शब्दोयं गुणलंकार संस्कृतयो: शब्दार्थयोर्वर्तते" ।

आनंदवर्धन- "शब्दार्थशरीरम् तावत् काव्यम्" ।

भोजराज- "निर्दोषं गुणवत् काव्यं अलंकारैरलंकृतम् रसान्वितम्" ।

मम्मट- "तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती पुन: क्वापि" ।

वाग्भट- "गुणालंकाररीतिरससहितौ दोषरहितौ शब्दार्थौ काव्यम्"

जयदेव- "निर्दोषा लक्षणवती सरीतिर्गुणभूषिता, सालंकाररसानेक-वृत्तिर्वाक्काव्य नामवाक्"।

इस प्रकार क्रमशः विस्तृत होते काव्यलक्षण के रूप को साहित्यदर्पणकार ने **"वाक्यम् रसात्मकम् काव्यम्"** जैसे छोटे रूप में बाँध दिया है। **केशव मिश्र** के **अलंकारशेखर** से व्यक्त होता है कि साहित्यदर्पण का यह काव्य लक्षण आचार्य **शौद्धोदनि** के **"काव्यं रसादिमद् वाक्यम् श्रुतं सुखविशेषकृत्"** का परिमार्जित एवं संक्षिप्त रूप है।

रचयिता	-	विश्वनाथ
पिता	-	चन्द्रशेखर
पितामह	-	नारायणदास,(वैष्णव)

8209837844 www.ugc-net.com

काव्यप्रयोजन-

"चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।
काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते"।।

काव्य एक ऐसी वस्तु है जिससे अल्पबुद्धि वाले मानव को भी बिना किसी कष्ट साधना के धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष रूप पुरुषार्थचतुष्टय की प्राप्ति हुआ करती है। इसलिए काव्य क्या है ? इसका निरूपण किया जा रहा है।

काव्यफल-

चतुर्वर्गफलप्राप्तिर्हि काव्यतो 'रामादिवत्प्रवर्तितव्यं न रावणादिवत्' इत्यादिः कृत्याकृत्यप्रवृत्तिनिवृत्त्युपदेशद्वारेण सुप्रतीतैव ।

पुरुषार्थ चतुष्टय प्राप्ति काव्य का प्रयोजन है वस्तुतः यह सर्वविदित है क्योंकि यह सभी जानते हैं कि काव्य उपदेश दिया करता है- 'राम के जैसा आचरण करना चाहिए रावण के जैसा नहीं' काव्य का यह उपदेश **'कृत्य'**- धर्मादि में प्रवृत्ति, और **'अकृत्य'**- अधर्मादि से निवृत्ति, इस प्रकार शास्त्रोक्त आचरण द्वारा चतुर्वर्ग की प्राप्ति होती है ।

8209837844

www.ugc-net.com

बीभत्सोऽद्भुत इत्यष्टौ रसाः शान्तस्तथा मतः।।

	रस	स्थायीभाव	वर्ण	देवता
1	श्रृंगार	रति	श्याम	विष्णु
2	हास्य	हास	शुक्ल	प्रमथ
3	करूण	शोक	कपोत	यमराज
4	रौद्र	क्रोध	लाल	रूद्र
5	वीर	उत्साह	सुवर्ण(गौर)	महेन्द्र/इन्द्र
6	भयानक	भय	कृष्ण	काल
7	वीभत्स	जुगुप्सा	नील	महाकाल
8	अद्भुत	विस्मय	पीत	गन्धर्व
9	शांत	शम (निर्वेद)	शुक्ल(कुन्दपुष्पवत, चन्द्रवत)	लक्ष्मीनारायण
10	वात्सल्य	स्नेह		

8209837844

www.ugc-net.com

रसवर्ण स्मरणार्थ- "शशुकलासुकृनीपी"

शृंगार-

(1) संभोग (2) विप्रलम्भ

विप्रलम्भ → पूर्वराग, मान, प्रवास, करुण

पूर्वराग → नीतिराग, कुसुमय

हास्य- (6)

1. स्मित, 2. हसित, 3. अतिहसित,
4. विहसित, 5. अवहसित, 6. अपहसित

वीर- (4)

दानवीर, → कर्ण

धर्मवीर, → युधिष्ठिर,

दयावीर, →

महावीर, → राम

8209837844

काव्यभेद-

www.ugc-net.com

काव्य (रसात्मक वाक्य) के दो भेद होते हैं- 1. ध्वनि, 2. गुणीभूतव्यङ्ग्य, इन दोनों काव्यभेदों में ध्वनिसंज्ञक काव्य जिसे सर्वोत्तम काव्यप्रकार कहा गया है, वो वह है जिसमें वाच्यार्थ की अपेक्षा व्यङ्ग्यार्थ अधिक सुन्दर (अतिशय चमत्कारजनक) हुआ करता है ।

(1) ध्वनि-

भेदौ ध्वनेरपि द्वावुदीरितौ लक्षणाभिधामूलौ ।
अविवक्षितवाच्योऽन्यो विवक्षितान्यपरवाच्यश्च॥

ध्वनि काव्य के भी दो भेद बताये गये हैं- 1. लक्षणामूलक ध्वनिकाव्य, 2. अभिधामूलक ध्वनिकाव्य, इन दोनों भेदों में लक्षणामूलक ध्वनिकाव्य को तो 'अविवक्षितवाच्य ध्वनि' काव्य कहा गया है और अभिधामूलक ध्वनिकाव्य को 'विवक्षितान्यपरवाच्य ध्वनि' काव्य कहा जाता है ।

ध्वनि के दो भेद-

1. **अविवक्षितवाच्य** (लक्षणामूला)
2. **विवक्षितान्यपरवाच्य** (अभिधामूला)

(2) गुणीभूतव्यङ्ग्य-

'अपरं तु गुणीभूतव्यङ्ग्यं वाच्यादनुत्तमे व्यङ्ग्ये' ।

गुणीभूतव्यङ्ग्य काव्य वह काव्य है जिसमें प्रतीति होने वाला व्यङ्ग्यार्थ वाच्यार्थ की अपेक्षा अनुत्तम अथवा गुणीभूत (अप्रधान) लगा करता है।

काव्य-

1. दृश्य- रूपक

2. श्रव्य- गद्य, पद्य, मिश्र

श्रव्यकाव्य- श्रव्यं श्रोतव्यमात्रं तत्पद्यगद्यमयं द्विधा॥

श्रव्यकाव्य के दो प्रकार- 1. पद्यमय 2. गद्यमय ।

8209837844 .ugc-net.com

उपरूपक- 18

(1) नाटिका
(2) त्रोटक
(3) गोष्ठी
(4) सट्टक
(5) नाट्यरासक
(6) प्रस्थान
(7) उल्लाप्य
(8) काव्य
(9) प्रेङ्खण
(10) रासक
(11) संलापक
(12) श्रीगदित
(13) शिल्पक
(14) विलासिका
(15) दुर्मल्लिका
(16) प्रकरणी
(17) हल्लीश
(18) भाणिका

Next class....

॥काव्यप्रकाश॥

8209837844

Home work ....

Feedback Send me On Telegram Group...

This Group.. = SANSKRIT BY NIDHU

This link..= https://t.me/+TfoY7528c8UoMmFl

WE WANT
YOUR
FEEDBACK

LIKE
& SHARE

For More Information….

www.ugc-net.com

/Fillerform

/Fillerform

//Fillerform

info@fillerform.com

8209837844

8209837844

www.ugc-net.com

thank you